पंचायत का गठन
↳ अनु॰ - 50
⇓
भाग - 4

पंचायती राज व्यवस्था

— भाग - 9
अनु॰ - 243

↳ पंचायत का चलन ऋग्वेद काल से है।

↳ लॉर्ड रिपन (1880 - 1884) ने 1882 मे नगरिय और ग्रामिण पंचायतीराज व्यवस्था का प्रावधान किया।

↳ इस प्रावधान को पंचायती राज का मैग्ना कार्टा कहते है।

↳ पंचायतीराज व्यवस्था का जनक लॉर्ड रिपन है।

↳ भारत मे आमजन सहभागिता तथा ग्रामिण स्तर पर राजनैतिक भागीदारी के लिए महात्मा गांधी ने पंचायती राज व्यवस्था की मांग किया।

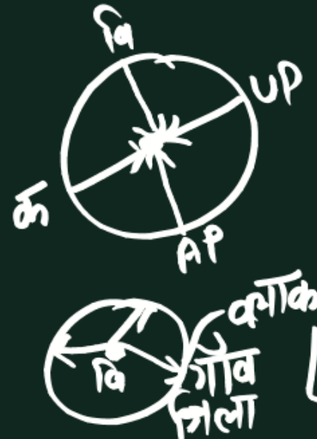

↳ संविधान सभा मे गांधी विचारधारा के श्री मन्न नारायण अग्रवाल जी ने पंचायती राज पर बल दिया।

↳ पंचायती राज व्यवस्था का उद्देश्य, लोकतान्त्रिक विकेन्द्रियकरण व आम जन सहभागिता की राजनैतिक भागीदार था।

सामुदायिक विकास कार्यक्रम

↳ यह 1952 मे पंचायती व्यवस्था का संचालन करने के लिए।

↳ इसे भारत के प्रथम प्रधानमंत्री Pt J. L. नेहरू ने 2oct 1952 को अमेरिका के आधार पर लागू किया।

↳ इसका संचालन "ford foundation" के द्वारा आरम्भ किया गया।

↳ यह कार्यक्रम जनता के भागीदारी के आभाव मे विफल रहा।

↳ सामुदायिक विकास कार्यक्रम में सुधार के लिए योजना आयोग के द्वारा B. R. मेहता समिति का गठन, 1957 में किया गया।

यह पंचायती राज व्यवस्था के संस्थापक है। → **बलवन्त राय मेहता समिति, 1957**

↳ पंचायती राज व्यवस्था का 3 स्तर में विभाजित कर दिया जाय।

संरचना
- निम्न स्तर – ग्राम सभा – प्रधान / मुखिया
- मध्यवर्ती स्तर → ब्लाक / प्रखण्ड – ब्लाक प्रमुख
- जिला पंचायत → जिला स्तर → जिला अधिपति

Note :- मध्यवर्ती स्तर उन्हीं राज्यों में होगा जहाँ की जनसंख्या 20 लाख से अधिक होगा।

↳ 2 Oct. 1959 को पंचायती राज व्यवस्था सर्वप्रथम (बगदर) नागौर राजस्थान में तत्कालिन प्रधानमंत्री Pt. नेहरू के द्वारा लागू किया गया।

↳ इसे लागू करने वाला दुसरा राज्य आन्ध्र प्रदेश का "महबुब" जिला है। - 11 Oct. 1959.

अशोक मेहता समिति, 1977:

↳ पंचायती राज व्यवस्था - द्विस्तरिय होगा।

① ग्राम मण्डल — 5 गाँव से 20 गाँव का समूह

② जिला मण्डल — जिला परिषद

↳ पंचायती राज का कार्यकाल 4 वर्ष का होगा।

↳ पंचायत मे राजनैतिक दल की भागीदारी हो।

↳ इनकी सिफारिश को तत्कालिन प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने अस्विकार कर दिया।